डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

द्वि–दिवसीय अखिल भारतीय दलित लेखक सम्मिलन का हुआ समापन
दलित साहित्य सवर्णों के साथ सांस्कृतिक संवाद है – शरण कुमार लिंबाले
अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित था अंतिम सत्र

नई दिल्ली। 21 फरवरी 2023; साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय दलित लेखक सम्मिलन का आज समापन हुआ। कहानी–पाठ पर केंद्रित आज के प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात मराठी लेखक शरण कुमार लिंबाले ने की, जिसमें धीरज्या ज्योति बसुमतारी (बर'), एच.टी. पोटे (कन्नड), सत्यजीत आर. (मलयाळम्) ने अपनी–अपनी कहानियों का पाठ किया। धीरज्या ज्योति बसुमतारी की कहानी में एक अनाथ बूढ़ी महिला की स्थिति को एक बच्चे के मासूम सवालों द्वारा उकेरने की कोशिश की गई। एच.टी. पोटे ने 'कुत्ते की परछाई' शीर्षक से अपनी कहानी का पाठ किया, जिसका सारांश यह था कि जीवन में उच्च उपलब्धियों के बावजूद दलित समाज को हेय दृष्टि से देखना जारी रहता है। इस सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात मराठी लेखक शरण कुमार लिंबाले ने कहा कि दलित साहित्य सवर्णों के साथ हमारा सांस्कृतिक संवाद है। हम हर किसी के घर में किताबों के माध्यम से पहुँचकर उनके दिलों को बदलना चाहते हैं।

कविता–पाठ के अगले सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात पंजाबी कवि एवं लेखक बलबीर माधोपुरी ने की और कर्मशील भारती (हिंदी), बी.एल. पारस (राजस्थानी), दीप नारायण विद्यार्थी (मैथिली) एवं लीलाधर मंडलोई ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

कविता–पाठ का अगला सत्र अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित था, जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात गुजराती कवि जयंत परमार ने की और इसके मुख्य अतिथि प्रख्यात कन्नड लेखक एच.एस. शिवप्रकाश थे। इस सत्र में कल्याणी ठाकुर चराल (बाङ्ला), अशोक अंबर (डोगरी), वीनू बामनिया (गुजराती), रजत रानी मीनू (हिंदी), लीलेश कुडालकर (कोंकणी) एवं मदन वीरा (पंजाबी) ने अपनी–अपनी रचनाएँ मूल के साथ हिंदी/अंग्रेज़ी अनुवाद में प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के अंत में विधिवत् धन्यवाद ज्ञापन करते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादेमी 24 भारतीय भाषाओं के अलावा अन्य अलिखित भाषाओं के संवर्धन और संरक्षण का कार्य कर रही है। निकोल, कोटलेट हमारी दो ऐसी योजनाएँ हैं जिनमें हम आदिवासी भाषाओं के अतिरिक्त अनेक अलिखित भाषाओं में पुस्तकें तो प्रकाशित करते ही हैं, उनके कई सम्मेलन भी आयोजित करते हैं। हमने आज अखिल भारतीय दलित साहित्य लेखक सम्मिलन का अंतिम सत्र भी इसीलिए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को देखते हुए आयोजित किया है।

कार्यक्रम का संचालन अकादेमी संपादक (हिंदी) अनुपम तिवारी ने किया। कार्यक्रम में महत्त्वपूर्ण साहित्यकारों, पत्रकारों के अतिरिक्त भारी संख्या में शोधार्थी छात्र–छात्राओं ने भी भाग लिया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in